मूल्य 1 रु.
वर्ष: 11 - अंक : 201, मुंबई, मंगलवार, 28 सितंबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

पुणे पुलिस की आईपीएल सट्टेबाजों पर बड़ी कार्रवाई

छापेमारी के दौरान पुणे पुलिस को 92 लाख रुपए कैश हुए बरामद

संवाददाता

पुणे। पुणे के पुलिस कमिश्नर अमिताभ गुप्ता के सुपर विजन में सोमवार को पुलिस ने शहर भर में कई ठिकानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी आईपीएल बैटिंग को लेकर की गई थी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

शिवसेना नेता पर ईडी का शिकंजा

900 करोड़ रुपए के घोटाले में ईडी ने पूर्व सांसद आनंदराव अडसूल के घर पर मारा छापा

पूछताछ के दौरान बिगड़ी तबीयत

कुछ घंटे की पूछताछ के बाद आनंदराव को हिरासत में लिया गया

आनंदराव अडसूल पर सिटी को-ऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष रहने के दौरान 900 करोड़ रुपये के गबन का आरोप है। ईडी ने उन्हें और उनके बेटे अभिजीत अडसूल को इस संबंध में समन जारी कर सोमवार सुबह 8 बजे पूछताछ के लिए तलब किया था। हालांकि, निजी कारणों का हवाला देते हुए आनंद राव ने पेशी से छूट मांगी थी। जिसके बाद ईडी के अधिकारी आनंदराव के कांदिवली स्थित आवास पर पहुंचे और उनसे, उनके बेटे से पूछताछ की।

कौन हैं आनंदराव अडसूल?

आनंदराव अडसूल अमरावती लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद हैं। 1996 से 5 बार वे लगातार शिवसेना के टिकट पर चुनाव जीतते रहे हैं। साल 2019 के लोकसभा चुनावों में उन्हें निर्दलीय नवनीत कौर राणा के हाथों हार का मुंह देखना पड़ा था। नवनीत कौर राणा इस मामले के शिकायतकर्ता रवि राणा की पत्नी हैं।

संवाददाता

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय ने शिवसेना के पूर्व सांसद आनंदराव अडसूल के घर पर सोमवार सुबह छापा मारा है। ईडी की टीम पूर्व सांसद से पूछताछ कर ही रही थी कि उन्होंने अपनी तबीयत खराब होने की बात कही, जिसके बाद एम्बुलेंस बुलाकर केंद्रीय जांच टीम उन्हें गोरेगांव के लाइफ केयर हॉस्पिटल में एडमिट करवाया है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

खाताधारकों के पैसे का गलत इस्तेमाल का है आरोप

विधायक रवि राणा ने बताया कि सिटी कॉपरेटिव बैंक की मुंबई में 13-14 शाखाएं हैं। बैंक के 1 हजार से ज्यादा खाताधारक हैं। अनधिकृत ऋण बैंक के पतन के लिए जिम्मेदार हैं। रवि राणा ने आगे आरोप लगाया कि आनंदराव अडसुल ने बैंक की संपत्ति को पट्टे पर दे दिया। उन्होंने खाताधारकों के पैसों को अपने काम के लिए इस्तेमाल किया, जिसके बाद अब वे सिर्फ एक हजार रुपए बैंक से निकाल सकते हैं। रवि राणा ने सीएम उद्धव ठाकरे से पूछा है कि क्या वे अपनी पार्टी के नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करेंगे? सरकार आनंदराव अडसुल को बचाने की कोशिश कर रही है।

मुंबई में बेअसर रहा किसानों का भारत बंद

दुकानें, परिवहन सेवाएं सामान्य रहीं

संवाददाता

मुंबई। मुंबई में सोमवार को वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में कामकाज और स्थानीय परिवहन सेवाएं सामान्य रहीं और केंद्र के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसान यूनियनों द्वारा बुलाए गए भारत बंद के मद्देनजर मुंबई पुलिस ने भी प्रमुख चौराहों और सड़कों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात नहीं किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कांग्रेस के कार्यकर्ता हाथों में तख्तियां लिए अंधेरी और जोगेश्वरी जैसी कुछ जगहों पर जमा हो गए और कृषि कानूनों के खिलाफ नारेबाजी की। इसके अलावा शहर में बंद का अब तक कोई असर नहीं दिखा।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

हमारी बात

प्रधानमंत्री का दौरा

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विदेश दौरा देश के लिहाज से सकारात्मक और स्वागतयोग्य रहा है। यह दौरा मूल रूप से संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के लिए था, जहां दुनिया के 100 से ज्यादा राष्ट्राध्यक्षों या राष्ट्र-प्रतिनिधियों ने अपना-अपना उद्बोधन पेश किया। अत्यंत महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी दुनिया में कई नेताओं ने परोक्ष, तो कई नेताओं ने प्रत्यक्ष उपस्थिति से महासभा को सार्थक सिद्ध किया। वहां भारतीय प्रधानमंत्री की प्रत्यक्ष उपस्थिति से भारत के पक्ष को निःसंदेह मजबूती मिली है। ऐसे अवसर बहुत कम आते हैं, जब दुनिया के राष्ट्र आपकी बात सुनते हैं। जम्मू-कश्मीर की सांविधानिक स्थिति में परिवर्तन, कोरोना महामारी के तांडव, भारत-चीन संघर्ष, अमेरिका की अफगानिस्तान से वापसी और तालिबान के शिकंजेकी पृष्ठभूमि में संयुक्त राष्ट्र की यह बैठक कमोबेश हर देश के लिए महत्व रखती थी। अब अमेरिका की स्थिति ऐसी नहीं है कि वह आक्रामक हो। वह ऑकस और क्वाड जैसे नए गठजोड़ों में भविष्य तलाशता दिख रहा है और महासभा के दौरान भी उसकी कोशिशें इस दिशा में तेज थीं। यह एक ऐसा मोर्चा है, जहां भारत की अपनी चिंताएं और सीमाएं हैं। हालांकि, यह कोई अच्छा संकेत नहीं है कि हम महासभा के समय छोटे गठजोड़ों का महत्व देख रहे थे। क्या दुनिया की महाशक्तियां संयुक्त राष्ट्र के प्रति पूरी तरह ईमानदार हैं? संयुक्त राष्ट्र में अगर हम दुनिया के अन्य देशों के प्रतिनिधियों के संबोधनों पर गौर करेंगे, तो पाएंगे कि दुनिया तालिबान और कट्टरपंथियों के उभार के चलते चिंतित है, दुनिया के बहुत से देशों को आर्थिक-सामाजिक रूप से मदद चाहिए, दुनिया के ज्यादातर देश परस्पर मिलजुल कर चलना चाहते हैं। ऐसे में, गौर करने की बात है कि इस बार दुनिया की महाशक्तियों को अलग-अलग ढंग से निशाना भी बनाया गया है, जो एक तरह से जरूरी भी था। भारतीय प्रधानमंत्री की अगर बात करें, तो विशेष रूप से चीन की ओर इशारा खास मायने रखता है। उन्होंने न केवल कोरोना की उत्पत्ति, बल्कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की रैंकिंग से खिलवाड़ का भी मामला उठाया है। पूरे साहस के साथ समुद्र पर अधिकार की कोशिश में लगे देशों को भी आईना दिखाया है। भारत पहले दिन से इस प्रयास में लगा है कि अफगानिस्तान में जिसके भी हाथों में सत्ता हो, वह समावेशी सरकार चलाए। अगर तालिबान अपने समाज, अपने लोगों के प्रति समावेशी नजरिया नहीं रखते, तो उन्हें मान्यता देने से पहले इंतजार करने में ही दुनिया की भलाई है। भारत के इस रुख को दुनिया के अधिकतर देशों ने समर्थन दिया है। रूस और चीन जैसी शक्तियों के साथ ही पाकिस्तान की कोशिशें भी नाकाम रही हैं। तालिबान पर महासभा से जो दबाव पड़ा है, उसकी रोशनी में हम सुधार की उम्मीद रख सकते हैं। जहां तक भारत की उपलब्धियों का सवाल है, तो प्रधानमंत्री का यह दौरा अमेरिका से किसी सौदे-समझौते के लिए नहीं था। फिर भी अमेरिकी राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के साथ प्रधानमंत्री की मुलाकात को हम सकारात्मक करार दे सकते हैं। बातचीत में भारत के लिए कोई अप्रिय बात नहीं हुई है। जहां तक कश्मीर का सवाल है, तो उसकी बात इक्का-दुक्का देशों ने की है, जिनको वहीं यथोचित जवाब दे दिया गया है।

मोदी और अमेरिका की गोदी!

परिस्थितियां विपरित फिर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिकी यात्रा कामयाब! क्या मतलब है 'विपरित परिस्थितियों' का? जवाब है राष्ट्रपति बाइडेन, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस बनाम नरेंद्र मोदी के मिजाज, फितरत का फर्क। अमेरिका का मौजूदा तथ्य है कि वहां मोदी सरकार की लोकतांत्रिक साख जीरो है। तभी बाइडेन और कमला हैरिस ने प्रधानमंत्री का सर्द स्वागत किया। इन्होने मुलाकात में और वार्ता के बाद अपने टि्वट या बयान से सार्वजनिक तौर पर नरेंद्र मोदी को नसीहत दी। मसलन- महात्मा गांधी के आदर्शों जैसे अहिंसा, सम्मान और सहिष्णुता की आज के दौर में बहुत जरूरत है। या यह वाक्य कि- यह जरूरी है कि हम अपने देशों में लोकतांत्रिक मूल्यों और संस्थानों की रक्षा करें।...मैं अपने व्यक्तिगत अनुभव से जानती हूँ कि क्या काम किए जाने की जरूरत है। हमें सोचना चाहिए कि हम क्या चाहते हैं और हम हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों और संस्थाओं के लिए क्या नजरिया रखते हैं।

दरअसल बाइडेन प्रशासन ने मैसेजिंग के नाते भी मोदी का स्वागत प्रोग्राम बनाया। सर्वप्रथम मानवाधिकारों की जिद्द वाली उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात कराई। उन्होने निश्चित ही प्रधानमंत्री से भारत में लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओं की गिरावट पर बेबाकी से बात की होगी। तभी अमेरिकी अखबार लॉस एंजिलिस टाइम्स (अभी तक दिखी खबरों में अकेला अमेरिकी अखबार जिसने मोदी यात्रा की एक खबर छापी) की खबर का शीर्षक था कमला हैरिस ने एतिहासिक मुलाकात में भारत के मोदी को मानवाधिकार पर हल्का दबाव महसूस कराया।... कमला हैरिस ने बंद दरवाजों के पीछे बैठक से पहले मोदी से कहा कि पूरी दुनिया में लोकतंत्रों पर खतरा मंडरा रहा है यह जरूरी है कि हम अपने देशों में लोकतांत्रिक मूल्यों और संस्थानों की रक्षा करें। अखबार का यह भी लिखना था-ट्रंप प्रशासन जिस तरह से मोदी के प्रति रवैया रखता था, यह उसमें बदलाव है क्योंकि पीएम मोदी के कार्यकाल में उनके देश में धार्मिक ध्रुवीकरण बढ़ा है। प्रशासन के सर्द नजरिए का यह तथ्य भी गौरतलब हैं कि जब नरेंद्र मोदी द्विपक्षीय बैठक के लिए वहाइट हाउस पहुँचे तो राष्ट्रपति बाइडन ने उनका बाहर आकर स्वागत नहीं किया बल्कि ओवल ऑफिस में मोदी को ले जाया गया, जहां बाइडन उनसे मिले। सोचे, नरेंद्र मोदी को कोई नसीहत दे तो वे मन ही मन उसे किस भाव लेते हुए होंगे? मगर नरेंद्र मोदी और उनके साथ गई टीम ने परिस्थितियों की बारीकी में जाना-समझा हुआ था कि वक्त बदल गया है। उस नाते सितंबर 2021 की अमेरिका यात्रा कई मायनों में सात साला मोदी राज के कार्यकाल का निचोड़ भी है! पूर्व की छह अमेरिकी यात्राओं में जो हुआ और इस दफा जो हुआ उसका फर्क बताता है कि नरेंद्र मोदी कहां से शुरू हुए थे और कहां पहुंचे! मतलब भारत कहां पहुंचा? याद करें 2014 में नरेंद्र मोदी चीन के राष्ट्रपति शी जिन पिंग को साबरमती के किनारे झूला झुलवाते हुए थे जबकि इस 25 सितंबर को उन्होने संयुक्त राष्ट्र की महासभा में बिना चीन का नाम लिए विस्तारवाद के हवाले उस पर निशाना साध कर दुनिया को भारत की पोजिशनिंग बताई। वाशिंगटन में चीन के खिलाफ क्वाड गठजोड़ में भारत की भागीदारी पुख्ता की। सो भारत अब अघोषित तौर पर चीन को पाकिस्तान के समतुल्य

दुश्मन बता चुका है। यह विदेश नीति का दो टूक ऐतेहासिक मोड़ है। ऐसा क्यों? मजबूरी के चलते। अपने स्तंभकार डा वेदप्रताप वैदिक नया इंडिया में बार-बार चीन के संदर्भ में अमेरिका के पिछलग्गू न बनने और अमेरिका की गोदी में न बैठने की सलाह देते है लेकिन इसके ठिक विपरित मेरा मानना है कि भारत और उसकी हिंदू राजनीति के पास अमेरिका और पश्चिमी सभ्यता की गोदी के अलावा विकल्प क्या है? हर भारतीय को समझना चाहिए कि पिछले डेढ़ साल से चीन की सीमा पर भारत की कितनी सेना तैनात है? इससे उसको कितने अरब-खरब रू सालाना का खर्चा भुगतना पड़ रहा होगा? मोदी राज में और खासकर पिछले दो सालों में चीन और पाकिस्तान दोनों की सीमाओं पर ऐसा भारी सैनिक खर्च बना है कि आर्थिकी की महामारी से अधिक बरबादी सैनिक चौकसी के खर्च के चलते हो रही होगी। तो अमेरिका और पश्चिमी देशों के गठजोड़ का हिस्सा बनना प्रधानमंत्री मोदी और भारत की मजबूरी है। फिर पश्चिम जब चीन के खिलाफ कमर कसते हुए है तो भारत के लिए स्वभाविक सुनहरा मौका है और भविष्य में सुरक्षा का रास्ता भी। सात साल पहले नरेंद्र मोदी ने शी जिन पिंग को झूले झुलाते या काबुल में हमीद करजई को पटाने या वहा से अचानक नवाज शरीफ के घर लाहौर जा कर पकौड़े खाने की जो कूटनीति की थी उस सबमें रियलिटी और अनुभव की बजाय हवाबाजी और वाहवाही का चस्का था जिसकी भारत को अब भारी कीमत अदा करनी पड रही है। तभी आश्चर्य नहीं जो नरेंद्र मोदी ने बाइडेन प्रशासन के सर्द रूख के बावजूद उसकी हां में हां मिलाई और फिर संयुक्त राष्ट्र आमसभा में विस्तारवाद व आंतकवाद की जुमलेबाजी से पाकिस्तान-चीन दोनों से दो टूक पंगे का ऐलान करके कवॉड भावना को दर्शाया। अमेरिकी यात्रा की ठोस-निर्णायक बात क्वॉड याकि 'क्वाड्रिलेटेरल सुरक्षा वार्ता' के चौगुट (अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत) के राष्ट्रर्यक्षों की व्हाइट हाउस में शिखर वार्ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चौगुट साझे की शिखर वार्ता में न केवल जोश दिखाया बल्कि इसके बाद के संयुक्त राष्ट्र महासभा के भाषण में भी चीन पर निशाना साधा। कवॉड शिखर सम्मेलन को ले कर अमेरिकी अखबार 'द वॉशिंगटन पोस्ट' ने लिखा है कि बाइडन ने नरेंद्र मोदी को भरोसा दिलाया है कि वे भारत के साथ एक मजबूत साझेदारी निभाने जा रहे हैं।...अफगानिस्तान से अमेरिका के बाहर निकलने के बाद बाइडन प्रशासन का ध्यान और संसाधन अब चीन पर है। इसके लिए उसे भारत की चिंताओं को दूर करने की जरूरत है। उसे चीन से काफी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है और साथ ही उसे पाकिस्तान और अफगानिस्तान के इस्लामी चरमपंथी समूहों से खतरा है, जिनको भारत भी एक शत्रु के तौर पर देखता है।...वैश्विक मामलों की जानकार पाउला डोब्रियन्सकी कहती हैं, मैं इसे शीत युद्ध को रोकने वाला नहीं देखती हूँ बल्कि इसे एक संघर्ष की शुरूआत के तौर पर देखती हूँ। अखबार की माने तो इस बैठक के बाद क्वॉड देशों के बीच कई क्षेत्रों में समझौते होने की संभावनाएं हैं...इन सौदों में सेमी कंडक्टरों की सप्लाई चेन की पहल पर ध्यान केंद्रित है। इसके अलावा 5जी सिस्टम में तेजी लाने और साइबर खतरों के खिलाफ महत्वपूर्ण आधारभूत ढांचे बनाने पर भी समझौते अंतिम रूप ले सकते हैं। ध्यान रहे चीन क्वॉड को एशिया का नेटो कह चुका है। हकीकत में फिलहाल नेटो जैसी कोई बात नहीं है बावजूद इसके इतना तय है कि पूरी कवायद चीन को ले कर है। तभी भारत की विदेश नीति का यह वक्त सामरिक-रणनीतिक-भूराजनैतिक रीति-नीति में ऐतेहासिक परिवर्तन का मोड़ है। सोचे इससे बीजिंग और चीनी लीडरशीप में भारत को लेकर कैसी गहरी गांठ बन रही होगी। भूल जाए कि चीन इससे डर कर भारत को पटाने, पंगा घटाने और सीमा पर सामान्य स्थिति बहाल करने की सोचेगा। चीन या उसके राष्ट्रपति शी जिन पिंग या उनके पूर्ववर्ती माओ, चाउ-एन-लाई की भारत से सभ्यतागत एलर्जी जन्मजात है। माओ का कम्युनिस्ट राज भी भारतीय नेताओं की हवाबाजी, गुटनिरपेक्षता जैसी नैतिक जुमलेबाजी से चिढ़ता था तो पिछले तीस सालों में भी भारत के प्रति वह इस भाव में रहा है कि भारत का मतलब मुनाफे का सस्ता, बिना प्रतिस्पर्धा का घटिया सामानों का बाजार है और भारतीय नेताओं, कंपनियों और उपभोक्ताओं को सस्ते में पटाया जा सकता है। तभी प्रधानमंत्री मोदी ने कितनी ही बार शी जिन पिंग को जुमलों के झूले में झुलाया लेकिन बदले में डोकलाम से लेकर लद्दाख, अरूणांचलप्रदेश के किसी भी मामलें और पडौसियों में भारत को आउट करवाने में चीन ने कोई कमी नहीं रखी।

सो सात वर्षों में मोदी राज की उपलब्धि चीन और दक्षिण एसिया के देशों से भारत के लगातार बिगडते रिश्ते। उधर पाकिस्तान बना वैश्विक आंतकवाद की अफगान फैक्ट्री का गॉडफादर! तीसरी उभरती रियलिटी चीन-पाकिस्तान-तालिबानियों का वह नया त्रिगुट जिसके सिरदर्द, माईग्रेन में भारत की सुरक्षा भविष्य में लगातार खतरे में रहेगी। तभी वाशिंगटन की अमेरिका-आस्ट्रेलिया, जापान, भारत के चौगुट की कोशिश मोदी सरकार के लिए लपकने का मौका है। वाशिंगटन में बाइडेन-नरेंद्र मोदी की बातचीत और फिर क्वॉड के चारों राष्ट्राध्यक्षों की बैठक से चीन और पाकिस्तान दोनों को मैसेज चला गया है कि भारत अब पश्चिमी देशों का पार्टनर है और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सामरिक-रणनीतिक हितों में भारत के साथ अमेरिका, जापान, आस्ट्रेलिया है। यदि चीन ने सीमा पर, दक्षिण एसिया के पडौसी देशों में ज्यादा हरकत की तो क्वाड-पश्चिमी देशों का बल भारत के पीछे होगा। ऐसे ही इस्लामाबाद में चिंता बन गई है कि पहले अमेरिका, ब्रिटेन आदि में उसका जो महत्व था वह जीरो हो गया है। बाईडेन ने इमरान खान से बातचीत तक नहीं की और पूरे अमेरिका में मौटे तौर पर पाकिस्तान को तालिबानियों के साथ चिंहित किया जाने लगा है। इस नई रियलिटी के चलते ही इमरान खान संयुक्त राष्ट्र की महासभा के भाषण में भारत पर निशाना साधने के साथ पाकिस्तान के प्रति अमेरिकी कृतघ्नता वाली भंडास भी सार्वजनिक कर बैठे। मतलब इस्लामाबाद अब अमेरिका-भारत के साझे के सत्य को समझ रहा है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: 9619102478 /9821238815
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

वैक्सीनेशन में पीछे हैं हेल्थकेयर वर्कर्स, सबसे आगे 45 की उम्र वाले लोग

लक्ष्य के पीछे भाग रही बीएमसी

मुंबई। कोरोना से बचाव के लिए वैक्सीनेशन पर जोर दिया जा रहा है। आश्चर्य की बात है कि मुंबई में टीकाकरण की शुरूआत हेल्थकेयर वर्कर्स से हुई थी, लेकिन 9 महीने में सिर्फ 52 फीसद हेल्थकेयर वर्कर्स को ही दोनों टीके लगे हैं। टीकाकरण के लिए पात्र लाभार्थियों में 45 वर्ष से अधिक के लोग अव्वल हैं। इस समूह के 59 फीसद लोगों को दोनों डोज लग चुके हैं। बता दें कि टीकाकरण अभियान की शुरूआत 16 जनवरी से हुई है। हेल्थकेयर वर्कर्स से टीका लगवाने की शुरूआत हुई थी। इसके बाद फरवरी में फ्रंटलाइन वर्कर्स, मार्च में बुजुर्गों, अप्रैल में 45 वर्ष से अधिक समूह और मई में 18 की उम्र वाले लोगों का टीकाकरण हुआ। बीएमसी स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 38 लाख से

अधिक लोगों को दोनों डोज लग चुके हैं। वैक्सीन की कमी के बावजूद वैक्सीनेशन की गति बढ़ाने के लिए बीएमसी विभिन्न प्रयोग करती रही है और इस प्रयोग में बीएमसी को सफलता भी मिलती रही है। बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी ने बताया कि टीकाकरण में भले ही हेल्थकेयर वर्कर्स और फ्रंटलाइन वर्कर्स पिछड़े हुए हैं। कई हेल्थकेयर और फ्रंटलाइन वर्कर्स ने दूसरे नंबर के जरिए अपना रजिस्ट्रेशन कराया है, जिसकी वजह से इनकी संख्या तय लक्ष्य से ज्यादा दिखाई दे रही है। उन्होंने बताया कि जिन हेल्थकेयर वर्कर्स और फ्रंटलाइन वर्कर्स ने दूसरा डोज नहीं लगवाया है, उनकी सूची तैयार की गई है। उनसे संपर्क कर टीका लगवाने के लिए वॉर्ड स्तर पर आग्रह भी किया जा रहा है।

मुंबई: नशे में धुत्त युवक ने चाकू लेकर जमकर किया हंगामा

लोगों ने पहले पीटा और फिर पुलिस के हवाले किया

संवाददाता

मुंबई। मुंबई के दहिसर पूर्व में एसएन दुबे रोड पर श्रीजी इंडिस्ट्रीयल कंपनी के पास नशे में धुत्त एक युवक का हंगामा रविवार रात देखने को मिला। वह हाथ में चाकू लेकर लोगों को डराने का प्रयास कर रहा था। उसे ऐसा करता देख स्थानीय लोगों ने इसे पकड़ कर पहले जमकर पीटा और फिर उसे पुलिस के हवाले कर दिया। घटना रविवार रात लगभग 9.30 बजे रात की है। दहिसर पुलिस की एक टीम ने आरोपी को अरेस्ट कर लिया है। हालांकि, नशे में धुत्त होने के कारण आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। वह हाथ में चाकू लेकर बार-बार पकड़ने के लिए आ रहे लोगों पर हमले का प्रयास कर रहा था।

आनंद कोलीवाडा परिसर में एक युवक ने की आत्महत्या

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। आनंद कोलीवाडा परिसर में एक युवक द्वारा आत्महत्या करने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है विश्वसनीय सूत्रों द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार रेहान काजी वर्ष 30 रहवासी आनंद कोलीवाड़ा का बताया जा रहा है यह युवक द्वारा 24 सितंबर शुक्रवार रात 8:00 बजे अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया ससुराल वाले और परिवार वाले द्वारा दरवाजा तोड़कर फांसी पर लटकते हुए रेहान काजी को नीचे उतारा गया उसके बाद नजदीकी बुरहानी अस्पताल में उपचार हेतु ले जाया गया रेहान काजी के परिजनों द्वारा बुरहानी अस्पताल पर यह आरोप लगाया जा रहा है अस्पताल में जो डॉक्टर मौजूद थे उन्होंने रेहान काजी का उपचार करने से मना कर दिया अस्पताल ने पहले कहा पुलिस केस है आप पहले पुलिस को सूचित करो फिर परिजनों द्वारा पुलिस को बुलाया गया पुलिस के आने के बाद भी अस्पताल ने

मृतक रेहान काजी

रेहान का उपचार शुरू नहीं किया और यह कह दिया की रेहान काजी की गले की हड्डी टूट गई होगी तो आप कलवा के छत्रपति शिवाजी अस्पताल ले जाओ और हम लोगों को एंबुलेंस का नंबर दे दिया लेकिन यह नहीं बताया कि हम को ऑक्सीजन वाली एंबुलेंस ही मंगाना है आपके पेशेंट को ऑक्सीजन वाली एंबुलेंस की ही जरूरत है काफी देर बाद जब एंबुलेंस आई उसका ऑक्सीजन लीकेज होने की वजह से खत्म हो गया था और इसी विवाद में काफी समय बीत गए जैसे तैसे रेहान काजी को कलवा के छत्रपति शिवाजी अस्पताल ले जाया गया जहां पर 25 सितंबर शनिवार तक आईसीयू में रहा जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई थी और 26 सितंबर रविवार को अस्पताल प्रशासन द्वारा रेहान काजी को मृत घोषित कर दिया गया फिलहाल रेहान काजी के बारे मे बताया जा रहा है कि इन की दो पत्नियां थी पहली पत्नी रुखसार और दूसरी पत्नी अलीना काफी समय से पहली पत्नी से अलग रह रहा था रेहान और दूसरी पत्नी अलीना के साथ उसके ही घर पर रह रहा था कयास लगाया जा रहा है कि यह पत्नियों का और परिवारों के बीच का विवाद के कारण और काम धंधे से परेशान और मुंब्रा पुलिस में की गई पहली पत्नी द्वारा शिकायत से तंग आकर रेहान काजी ने मौत को गले लगा लिया फिलहाल दोनों पत्नियों के परिवार वाले एक दूसरे पर आरोप और प्रत्यारोप लगा रहे हैं लेकिन रेहान काजी की मौत की सच्चाई क्या है जब पुलिस गहन पूछताछ करेगी इनके परिवार वालों से तो शायद सच्चाई सामने आ जाएगी कि आखिर रेहान काजी ने मौत का रहस्य क्या है।

फ्लाइओवर से मोटरसाइकिल फिसल कर गिरने की घटना में नाबालिग की मौत

संवाददाता / मुंबई। मुंबई के बांद्रा-वर्ली सीलिंग-बीकेसी फ्लाईओवर से सोमवार को फिसल कर एक मोटरसाइकिल के डिवाइडर से टकरा जाने की घटना में 15 साल के एक किशोर की मौत हो गयी जबकि दो अन्य लोग घायल हो गये। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पीड़ित किशोर मोटरसाइकिल चला रहा था और उसके दो मित्र उस पर बैठे थे। उन्होंने बताया कि तीनों नाबालिग थे और उनमें से किसी के पास हेलमेट नहीं था। उन्होंने बताया कि यह घटना तड़के हुयी। इस संबंध में एक मामला दर्ज किया गया है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

पुणे पुलिस की आईपीएल सट्टेबाजों पर बड़ी कार्रवाई

इस छापेमारी के दौरान पुणे पुलिस को 92 लाख रुपए कैश बरामद हुए हैं। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि गुप्त सूत्रों से मिली सूचना के आधार पर इस कार्रवाई को दिया गया है। फिलहाल गिरफ्तार लोगों से पूछताछ की जा रही है। इस मामले भी कुछ और लोगों को भी गिरफ्तार किया जा सकता है।

मुंबई में बेअसर रहा किसानों का भारत बंद, दुकानें

पुलिस ने प्रमुख चौराहों और सड़कों पर अवरोधक भी नहीं लगाए हैं, जो बंद के दौरान आमतौर पर एक सामान्य कार्रवाई होती है और अब तक जिले के बाहर से कोई अतिरिक्त सुरक्षा बल नहीं बुलाया गया। अंधेरी पश्चिम इलाके में भी आज एनसीपी ,कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, सीपीआई और आम आदमी पार्टी का समर्थन मिला। इस दौरान राजनीतिक दल के कार्यकर्ताओं ने मोदी सरकार से कृषि कानून को वापस लेने की मांग की। गतिरोध को तोड़ने और किसानों के विरोध को समाप्त करने के लिए केंद्र सरकार और किसान यूनियनों ने अब तक 11 दौर की बातचीत की है, जो बेनतीजा रही। आखिरी बैठक 22 जनवरी को हुई थी। दिल्ली में 26 जनवरी को किसानों के प्रदर्शन के तहत ट्रैक्टर रैली के दौरान व्यापक हिंसा के बाद केंद्र सरकार और किसान यूनियनों के बीच बातचीत फिर से शुरू नहीं हो पाई है। तीन कृषि कानूनों किसान उत्पाद व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) अधिनियम, 2020, मूल्य आश्वासन किसान (सशक्तिकरण और संरक्षण) समझौता और कृषि सेवा अधिनियम, 2020 और आवश्यक वस्तु (संशोधन) अधिनियम 2020 को पिछले साल सितंबर में संसद द्वारा पारित किया गया था। किसान समूहों ने आरोप लगाया है कि ये कानून 'मंडी' और एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) खरीद प्रणाली को समाप्त कर देंगे और किसानों को बड़े कॉरपोरेट घरानों की दया पर रहना होगा। हालांकि, सरकार ने इन आशंकाओं को गलत बताते हुए उन्हें खारिज कर दिया और कहा कि इन कदमों से किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

शिवसेना नेता पर ईडी का शिकंजा

ईडी टीम ने आनंदराव से तीन से चार घंटे की पूछताछ की है और उनके घर से कई दस्तावेज, मोबाइल फोन और लैपटॉप जब्त किए हैं। वहीं, आनंदराव का बेटा अभिजीत अडसूल ने कहा कि वह सभी जांच के लिए तैयार हैं। अभिजीत ने यह भी कहा है कि मामले की जांच निष्पक्ष तरीके से होनी चाहिए। राजनीति से प्रेरित होकर मामले की जांच नहीं होनी चाहिए। आनंदराव के खिलाफ बडनेरा से विधायक रवि राणा ने शिकायत दर्ज करवाई थी। भाजपा विधायक रवि राणा ने बताया कि कि यह भ्रष्टाचार तब हुआ जब आनंदराव अडसूल सिटी बैंक के अध्यक्ष थे। ईडी के एक अधिकारी ने बताया कि आनंदराव अडसुल को हिरासत में लेकर हम ईडी ऑफीस आने वाले थे, हालांकि, उनकी तबीयत खराब हो गई, जिसके बाद उन्हें गोरेगांव के एक हॉस्पिटल में एडमिट किया गया है। बता दें कि आनंदराव अडसूल के रिश्तेदार बैंक के निदेशक मंडल में थे। जांच में ऋण वितरण में अनियमितताएं और एनपीए में गिरावट की जानकारी सामने आई है। पिछले 2 साल से मंदी की वजह से बैंक की स्थिति लगातार खराब हो रही है।

डॉ राज सिंह की लिखी देशभक्ति गीत 'वंदे भारत' की हुई रिकॉर्डिंग

मुंबई। हाल ही में बॉलीवुड के मशहूर संगीतकार दिलीप सेन ने डॉ राज सिंह द्वारा लिखी देशभक्ति गीत 'वन्दे भारत' को सुप्रसिद्ध पार्श्व गायिका साधना सरगम की आवाज में रिकॉर्ड किया। ओम मोशन इंटरटेनमेंट के बैनर तले बन रही इस अलबम के निर्माता राकेश पांडे और मुकेश पांडे हैं वहीं पंकज जयरथ लाइन प्रोड्यूसर हैं। आपको बता दें कि डॉ राज सिंह गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के अंतर्गत मिनिस्ट्री ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स में बतौर रीजनल डायरेक्टर पदस्थ हैं। साथ ही वे साहित्य जगत से भी जुड़े हुए हैं और अब तक उनकी लिखी सौ से भी अधिक कविताएं विभिन्न अखबारों में प्रकाशित हो चुकी हैं। 'वंदे भारत' म्यूजिक वीडियो के साथ डॉ राज सिंह बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। निर्माता राकेश पांडे और मुकेश पांडे ने कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह गीत समर्पित कर रहे हैं। इसकी वीडियो शूटिंग बहुत जल्द शुरू की जाएगी तथा अगले महीने किसी अच्छे म्यूजिक कम्पनी द्वारा रिलीज कर दी जाएगी।

एप्पल ग्रीन फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही है फिल्म 'अंजाना इश्क'

पहाड़ी वादियाँ हमेशा से ही फिल्म वालों को आकर्षित करती आई हैं। इसी का नतीजा है कि सैकड़ों फिल्मों को नैनीताल और आस पास फिल्माया जा चुका है। बीते कई बर्षों से फिल्मों की शूटिंग की नैनीताल में बाढ़ से आ गयी है। इसी श्रृंखला में फिल्म अंजाना इश्क जो कि एप्पल ग्रीन फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही है। जिसको निर्देशित कर रहे हैं संजीव त्रिगुणायत फिल्म में अमाद मिंटू और चेल्सी नेगी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में कमल राँझा, सलोनी, रमेश गोयल, योगी राज, फिरोज, राजकुमार आदि अभिनय कर रहे हैं। फिल्म के निर्माता मोहम्मद कमर और रेनू शर्मा हैं। जबकि लाइन प्रोड्यूसर अशोक वर्मा हैं। फिल्म को 40% नैनीताल के आलू खेत, पंगोट, घुघु खान, महेश खान जैसी कई खूबसूरत लोकशन पर शूट किया जा चुका है। फिल्म का बाकी बचा हिस्सा देहरादून में शूट किया जाएगा। निर्देशक की मानें तो यह फिल्म पहाड़ों की संस्कृति को भी दरसायेगी साथ ही पहाड़ों के त्योहार हरेला को भी फिल्म में स्थान दिया गया है। एक गीत भी इस त्योहार को केंद्र में रखकर फिल्माया गया है। पिछले एक माह से मुंबई से आई हुई टीम नैनीताल में शूट कर रही है। इस बीच कई तरह के विवादों में भी यह फिल्म रही है। लेकिन लोग इसको प्रचार का तरीका बता रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में एनकाउंटर

सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया

संवाददाता / श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में रविवार को सुरक्षाबलों ने एनकाउंटर में 2 आतंकियों को मार गिराया। इनमें भाजपा के नेता वसीम बारी, उनके पिता और भाई का हत्यारा शामिल है। दहशतगर्दों के पास में हथियार और गोला-बारूद बरामद हुए हैं। कश्मीर के आईजीपी विजय कुमार ने बताया कि पुलिस को 2 आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। हमने उनको घेरने के बाद सरेंडर करने के लिए कहा लेकिन उन्होंने इस अपील को नहीं माना, जिसके बाद मुठभेड़ में दोनों मारे गए। इनमें से एक आतंकी ने पाकिस्तान में ट्रेनिंग ली थी और दूसरा आतंकी वसीम बारी की हत्या में शामिल था।

एक आतंकी के छिपे होने की आशंका

दोनों दहशतगर्दों के शवों को सुरक्षाबलों ने कब्जे में ले लिया है। मारे गए आतंकी किस संगठन के थे, इसकी जानकारी अभी नहीं मिल पाई है। साथ ही ये किस मकसद से इलाके में छिपे हुए थे, इसका भी पता लगाया जा रहा है। सर्च ऑपरेशन अभी जारी है। माना जा रहा है कि इनका एक साथी इलाके में छिपा हुआ है।

कोविड-19: डब्ल्यूएचओ फिर शुरू करेगा स्रोत की जांच, बना रहा 20 वैज्ञानिकों की नई टीम

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) कोविड-19 के स्रोत की जांच फिर से करने की तैयारी में है। एक अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट में ये दावा किया गया है। द वाल स्ट्रीट जनरल की रिपोर्ट में कहा गया है कि डब्ल्यूएचओ नए सुबूतों की तलाश के लिए 20 वैज्ञानिकों की एक नई टीम जुटा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार डब्ल्यूएचओ ने इस मामले में जो प्रारंभिक जांच की थी उसमें चीनी वैज्ञानिकों ने जो डाटा दिए थे वो वायरस के स्रोत का पता लगाने के लिए अपर्याप्त हैं। इसी वजह से स्वास्थ्य क्षेत्र के वैश्विक संगठन ने मामले की फिर से जांच करने का फैसला लिया है। नई टीम में लैब सेफ्टी, बायो सिक्योरिटी और जिनेटिक्स के विशेषज्ञों को भी शामिल किया जाएगा और इन्हें ये जिम्मेदारी दी जा सकती है कि वे पता लगाएं कि क्या नोवल कोराना वायरस लैब से पैदा हुआ। इसके साथ ही उन्हें वायरस से भविष्य में होने वाले खतरों और मानवीय व्यवहारों के ज्यादा व्यापक विषयों की जांच भी करनी पड़ सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि नई पहल से जांच तेज करने में मदद मिलेगी क्योंकि इस बात का खतरा बढ़ता जा रहा है कि वायरस के शुरूआती मरीजों से खून के जो नमूने इकट्ठा किए गए थे वो कहीं खराब न हो जाएं।

डल झील के ऊपर स्काई डाइविंग

एरोबैटिक और विमानों ने दिखाए करतब

13 साल बाद कश्मीर में आईएएफ का एयर शो, वायुसेना ने दिखाई ताकत

संवाददाता / श्रीनगर

भारतीय वायुसेना ने कश्मीर के युवाओं को सेना में शामिल होने को प्रेरित करने और क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रसिद्ध डल झील पर रविवार को एक एयर शो आयोजन किया। आसमान में कलाएं देखकर हर कोई हैरान हो गया। सूर्यकिरण एरोबेटिक डिस्प्ले टीम 'आईएएफ के राजदूत' ने 13 साल के अंतराल के बाद घाटी में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में भारतीय वायुसेना के विभिन्न विमानों का फ्लाईपास्ट शामिल हुआ। दर्शकों ने पैरा-मोटर उड़ान और भारतीय वायुसेना की स्काई डाइविंग टीम 'आकाश गंगा' को भी देखा।

घाटी के युवाओं को भारतीय वायुसेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करना उद्देश्य

एयर शो का उद्देश्य घाटी के युवाओं को भारतीय वायुसेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करना और क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देना था। जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा डल झील के किनारे स्थित शेर-ए-कश्मीर इंटरनैशनल कन्वेंशन सेंटर से इस कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाई। आयोजन का मुख्य आकर्षण सूर्यकिरण एरोबेटिक डिस्प्ले टीम था, जिसे आईएएफ के राजदूत के रूप में भी जाना जाता है। शो की शुरुआत पैरामोटर और पैरा हैंग ग्लाइडर डिस्प्ले के साथ हुई, इसके बाद मिग 21 बाइसन ने त्रिकोणीय 3 एयरक्राफ्ट फॉर्मेशन में उड़ान भरी। शो की शुरुआत पैरामोटर और पैरा हैंग ग्लाइडर डिस्प्ले के साथ हुई, इसके बाद मिग 21 बाइसन ने त्रिकोणीय 3 एयरक्राफ्ट फॉर्मेशन में उड़ान भरी।

तीन हजार से ज्यादा छात्र-छात्राओं ने देखा एयर शो

'आजादी का अमृत महोत्सव' समारोह के तहत वायुसेना की ओर से इसका आयोजन किया गया। शो की थीम 'गिव विंग्स टू योर ड्रीम्स' रखी गई। विमान के प्रभावशाली युद्धाभ्यास को देखने के लिए 3,000 से अधिक कॉलेज और स्कूली छात्रों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। शेर-ए-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में स्टॉल लगाए गए। छात्रों को भारतीय वायुसेना की उपलब्धियों, बल में रोजगार के अवसरों, भर्ती नियमों और पात्रता मानदंडों से परिचित कराया गया।

ग्लैम गिल्ट ने आखिरकार नया क्लबिंग म्यूजिक वीडियो Kudi Patola जारी किया

नव्या सिंह व अदित मित्तल मुख्य लीड में

नव्या सिंह अपने आप में एक मोमेंटो हैं। सुंदरता, कलात्मक प्रतिभा, रचनात्मकता, मॉडल, नर्तक और गायक पर प्रतिभा में प्रचुरता का एक स्मृति चिन्ह। वह कलात्मक प्रतिभा के साथ पैदा हुई है। चाहे वह नृत्य हो, गायन हो, पारंपरिक अभिनय करना हो, पॉप गीत, रैप गीत, संगीत एल्बम, रहस्यमयी भूमिकाएँ, वह यह सब करती है। उनकी प्रतिभा ने कई प्रशंसकों को आकर्षित किया है। एक बड़ी फैन फॉलोइंग और अपने अभिनय कौशल के साथ, वह कोई भी साधारण एल्बम, सीरीज या फिल्म बना सकती है, एक ग्लैमरस बेबी डॉल के रूप में अपनी उपस्थिति से चमक सकती है, जिसने एक ट्रांसजेंडर महिला सौंदर्य प्रतियोगिता जीती है। उनके सोशल मीडिया हैंडल पर लाखों फॉलोअर्स हैं। बहु-प्रतिभाशाली नव्या सिंह एक ट्रांससेक्सुअल महिला होने के बावजूद अपनी चमकती सुंदरता और नारीवाद से कई स्वाभाविक रूप से पैदा हुई महिलाओं को चुनौती दे रही हैं। वह सिर्फ प्रतिभा का सागर नहीं है, वह एक महान लड़की है जिसने फैशन और फिल्म उद्योग में कई नए लोगों को प्रेरित किया है और उन्हें खिलने का सबसे वांछित अवसर प्रदान किया है। उन्होंने हाल ही में दो संगीत वीडियो, 'सभल जाओ' और 'उड़ान छू दारू' में अभिनय किया है, जहां उनके अभिनय और नृत्य कौशल और काम की बहुत सराहना की गई है। अब उनका नवीनतम संगीत वीडियो 'कुड़ी पटोला' के नाम से जारी किया गया है। यह एक पंजाबी म्यूजिक एल्बम है। इस एल्बम में अदित मित्तल को सह-अभिनेता के रूप में भी दिखाया गया है, जो एक कपड़ों के ब्रांड ग्लैम गिल्ट के ब्रांड एंबेसडर हैं, जिन्हें नव्या सिंह के साथ हमेशा हॉट मॉडल के रूप में देखा जा सकता है। नव्या सिंह को उनके निर्देशक, निर्माता, चालक दल और सह-कलाकारों द्वारा 'वन-टेक आर्टिस्ट' के रूप में शीर्षक दिया गया है और वह इस भूमिका को इतनी अच्छी तरह से समझने की इस तारीफ पर गर्व महसूस कर रही हैं कि वह निर्देशक की अपेक्षाओं को पूरा कर सकती हैं। एक बार। प्रतिभा और ज्ञान की महिलाओं को हमारी शुभकामनाएं।

नव्या सिंह ने कराया हॉट ग्लैमरस शूट

खान कंपाउंड इलाके में धड़ल्ले से निडर से हो रहा है अवैध बांधकाम का निर्माण

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। शिलफाटा परिसर में आने वाला खान कंपाउंड इलाके में बड़ी ही निडरता से अवैध बांधकामओं की भरमार नजर आ रही है यह बात समझ से परे है की इस इलाके में धड़ल्ले से हो रहे अवैध बांधकाम के ऊपर सहायक आयुक्त अलका खैरे की निगाहें क्यों नहीं जा रही है आखिर इन अवैध भू माफियाओं को किस मनपा अधिकारी का संरक्षण प्राप्त है जोकि बड़ी ही निडरता से धड़ल्ले से अवैध बांधकाम इस इलाके में निर्माण किया जा रहा है। जबकि साल 2013 में शिलफाटा परिसर में अवैध बांधकाम की भरमार हो रही थी और उसी अवैध बांधकाम का परिणाम यह था कि नाले पर बनाई गई इमारत

ढह जाने से 275 लोग इस इमारत के नीचे दबकर मौत हो चुकी थी क्या यह बात सहायक आयुक्त अलका खैरे को पता नहीं है उनकी कार्यकाल में यह धड़ल्ले अवैध बांधकाम निर्माण ग्रीन जोन के रिजर्वेशन प्लॉट पर किया जा रहा है क्या उनको पता नहीं है या उनके अधिकारी द्वारा इस बात की सूचना नहीं दी जा रही है आखिर क्या वजह है सहायक आयुक्त आंख मूंद कर बैठे हैं अगर इन अवैध बांधकाम करने वाले भू माफियाओं को नहीं रोका गया तो या इन पर कोई कार्रवाई नहीं की गई तो आने वाले समय में कोई एक बड़ी दुर्घटना हो सकती है और उसका जिम्मेदार कौन होगा यह ठाणे मानपा प्रशासनकी सहायक आयुक्त अलका खैरे को बताना होगा।

राजस्थान हलचल

मुस्लिम महासभा ने प्रदेश में रीट परीक्षार्थियों के लिए की व्यवस्था

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। मुस्लिम महासभा के राष्ट्रीय सचिव एन.डी. कादरी ने बताया कि मुस्लिम महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान खान के निर्देशन में मुस्लिम महासभा के जांबाज कार्यकर्ताओं ने प्रदेश में हुईं रीट परीक्षा में परीक्षार्थियों के लिए 25 एवं 26 को सभी 33 जिलों में ठहरने, नाश्ता, खाने एवं परीक्षा केंद्रों तक लाने ले जाने की व्यवस्था को अंजाम दिया, एन. डी.कादरी ने बताया कि मुस्लिम महासभा की राष्ट्रीय प्रमुख ने ठहरने खाने की आदि व्यवस्था में प्रदेश के सभी परीक्षार्थियों ने जाति घर्म के भेद-भाव को भुलाकर मुस्लिम महासभा के कार्यकर्ताओं जो खिदमत का अवसर दिया उसके लिए मुस्लिम महासभा सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं व्यक्त करतीं हैं। राष्ट्रीय सचिव एन.डी. कादरी ने बताया की बीकानेर की कमान में स्वयं एन डी कादरी ने संभाली तथा प्रशासन को तो सहयोग किया, वहीं बांसवाड़ा जिले में राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य मुस्तकीम मकरानी, रियाज शेख, सलुम्बर की कमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हबीबुर्रहमान ने संभाली रखीं थीं तो राजसमंद का नेतृत्व राष्ट्रीय सहसचिव जाफर फौजदार ने संभाला वहीं अजमेर में इंसाफ अली शोरगर राष्ट्रीय सहसचिव ने अपने ज़िले सेवाएं प्रदान की। कादरी ने बताया की मुस्लिम महासभा के जांबाज कार्यकर्ताओं ने प्रदेश में सभी 33 जिलाध्यक्षो एवं ब्लॉक अध्यक्षों ने खुब दिल से मेहनत करते हुए एक सप्ताह तक अपने तमाम काम काज छोड़कर इस खिदमत को अंजाम दिया जिसके लिए अपने स्वयं के घरों, मदरसा, सामाजिक भवन, होटल, रेस्टोरेंट, अपने आदि में ठहरने, नाश्ता खाना बनाने से खिलाने के काम ही अपना समय लगाया। मुस्लिम महासभा के राष्ट्रीय सचिव ने राष्ट्रीय, प्रदेश, जिला एवं ब्लॉक स्तर के सभी कार्यकर्ताओं का इस कठीन कार्य को बड़ी ही सरलता अच्छे व्यवहार से देश, प्रदेश में संदेश के साथ दिखा दिया की मुस्लिम महासभा तालिम तंजीम तिजारत तरक्की के रास्ते पर कार्य करतीं हैं। जिसमें हिंदू मुस्लिम साथ चलेगा एकता का राज चलेगा।

एन.डी.कादरी राष्ट्रीय सचिव मुस्लिम महासभा

2 जरूरतमंद दिव्यांग लोगों को ट्राई साइकिलें भेंट की गई

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

अबोहर। जरूरतमंद दिव्यांग लोगों की देखभाल व सहायता के सेवा कार्य में जुटी सुप्रसिद्ध समाजसेवी संस्था मानव सेवा समिति द्वारा 2 जरूरतमंद लोगों को मानवता की दीवार के माध्यम से ट्राई साइकिलें भेंट की गई हैं। जानकारी देते हुए संस्था के प्रेस सचिव सेवादार जितेंद्र सोनी ने बताया कि जरूरतमंद दिव्यांग लोग समय-समय पर संस्था के कार्यालय में ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर या वाकर इत्यादि सहायता लेने के लिए संस्था के कार्यालय में दरख्वास्त दे जाते हैं जिसके अंतर्गत गांव डंगरखेडा निवासी एक जरूरतमंद परिवार के व्यक्ति द्वारा तथा गांव दौलतपुरा के एक जरुरतमंद परिवार की एक लड़की द्वारा ट्राई साइकिलें लेने के लिए संस्था के कार्यालय में दरख्वास्तें दी हुई

थी। इन दोनों जरूरतमंदों को ट्राई साईकिलें देने के लिए संस्था के सेवादार दविंदर सिंह बराड़ तथा एडवोकेट सुखपाल सिंह सिधू के माध्यम से सविंदर कौर ढिलों निवासी अमेरिका द्वारा सहयोग किया गया, जिससे संस्था द्वारा दो ट्राई साईकिलें खरीद कर आज मानवता की दीवार पर दोनों दिव्यांगों को ट्राई साइकिलें भेंट की गई। इस मौके पर संस्था के सेवादार बलविंदर, राम कुमार, दविंदर सिंह बराड़, सुभाष मानव और प्रेस सचिव जितेंद्र सोनी उपस्थित थे।मानवता की भलाई के इस सेवा कार्य के लिए संस्था द्वारा सविंदर कौर ढिलों, एडवोकेट सुखपाल सिंह सिधू तथा दविंदर सिंह बराड़ का हार्दिक धन्यावाद किया जाता है और सबके मंगलमय जीवन के लिए परमात्मा के चरणों में अरदास की जाती है।

शेख सैयद मुगल पठान विकास समिति की बैठक में कोम के जनगणना फार्म का विमोचन हुआ जाति विशेष आई कार्ड बनाये जायेगे

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जोधपुर। मारवाड़ शेख सैयद मुगल पठान विकास समिति के जिला प्रवक्ता नदीम बक्ष ने बताया की आज कोरोना काल के बाद, बंबा बारी कार्यलय पर उस्ताद हाजी हमीम बक्ष की अध्यक्षता मे प्रथम बेठक आयोजित की गई जिसमे समिति के पदआघिकारी व सदस्य शामिल हूए जिसमे यह विचार विमर्ष किया गया की कोम शेख सैयद मूगल पठान समाज की एक जनगणना कर एक डायरेक्टरी के रूप मे जारी की जायेगी जिससे अनूमान लगाया जायेगा जा सकेगा की किस वार्ड मे कोम शेख सैयद मूगल पठान समाज के लोग रहवास कर रहे हे साथ ही साथ चर्चा मे कोम से तालूक रखने वाले लोगो को जाति का प्रमाण आई कार्ड के रूप बनाया जायेगा ताकि आने वाले वक्त मे उस आई कार्ड के माध्यम से जनरल मे आने वाली सबसे बड़ी कोम शेख सैयद मूगल पठान समाज को जाति का मुल स्वरूप के रूप काम मे लिया जाएगा।

बैठक मे यह रहे मौजूदः उस्ताद हाजी हमीम बक्ष, अ. अजीज पठान, उस्ताद शफी, अशरफ पठान, मो.जावेद,शोएब खान मो.रईस,अनवर हूसेन, नदीम बक्ष, बिलाल खान, आमीन खान, इरफान पठान, अयूब खान, साकिर शेख, मो.एजाज, फेजान बक्ष, व कई गणमान्य लोग भी शामिल रहे।

मेरठ हलचल

सुपारी देकर पुत्र वधू की हत्या करने आये ससुर सहित तीन शूटर गिरफ्तार, कब्जे से अवैध तमंचे, कारतूस व चाकू बरामद

संवाददाता/अरमान उलहक

मेरठ। बुजुर्गों की कहाबत है किसी भी हत्या आत्महत्या के लिए जर जोरू और जमीन ही होती है यह कहावत सत्य साबित हुई है उत्तर प्रदेश के मेरठ के थाना कंकरखेड़ा क्षेत्र में श्रीमती ज्योति त्यागी पत्नी स्वर्गीय जितेंद्र त्यागी मौहल्ला रामनगर थाना कंकरखेड़ा मेरठ, में अपने दो बच्चों के साथ निवास करती है। पति की मृत्यु के बाद श्रीमती ज्योति गुप्ता व उसके बच्चों के नाम विरासत में लगभग 80 बीघा जमीन आनी थी तथा ससुर ओम प्रकाश त्यागी से श्रीमती ज्योति त्यागी का विवाद इसी बात को लेकर चल रहा था तथा ससुर ओम प्रकाश त्यागी एवं परिजनों के विरुद्ध श्रीमती ज्योति त्यागी द्वारा उसको मारने के षड्यंत्र के संबंध में थाना कंकरखेड़ा पर एक अभियोग पंजीकृत कराया गया था। उक्त घटना के सम्वन्ध में थाना प्रभारी कंकरखेड़ा एवं एसओजी मेरठ को सूचना प्राप्त हुई कि ज्योति त्यागी का ससुर ओम प्रकाश त्यागी भाड़े पर शूटर लेकर मोहल्ला रामनगर कंकरखेड़ा में ज्योति त्यागी को जान से मारने के उद्देश्य से आया था लेकिन जब तक घटना को अंजाम दे पाते थाना प्रभारी कंकरखेड़ा एवं एसओजी टीम द्वारा सटीक सूचना प्राप्त होने पर घेराबंदी की गई तो खिर्वा रोड पर पोहल्ली तिराहे के पास एक आल्टो कार संख्या डीएल 8 सीपी 1294 में ओम प्रकाश त्यागी के साथ आए शूटरो द्वारा पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से फायरिंग की गई। पुलिस द्वारा बचाव करते हुए ज्योति त्यागी के ससुर ओम प्रकाश त्यागी पुत्र डालचंद त्यागी निवासी ग्राम मोरटा थाना मधुबन बापूधाम जनपद गाजियाबाद, भाड़े के शूटर 1- अजीत सिंह पुत्र मायचंद धानक निवासी खैरा गांव थाना छावला 43 नई दिल्ली। 2- दीपक पुत्र पन्नालाल जोगी निवासी अमीपुर बांगर थाना ककोड़ जनपद बुलंदशहर। 3- सोनू पुत्र पंकज जोगी निवासी उलधन की मड़ैया थाना खरखौदा जनपद मेरठ, को 2 तमंचे 315 बोर व दो खोखा कारतूस, चार जिंदा कारतूस व एक चाकू के साथ गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों द्वारा अपना जुर्म का इकबाल किया गया है। ज्योति त्यागी के ससुर ओम प्रकाश त्यागी द्वारा बताया गया कि वह जमीन अपनी बहू ज्योति को नहीं देना चाहता था तथा उसको मार कर वह जमीन उसके बच्चों को दे देता इसी उद्देश्य से वह आज भाड़े पर शूटर लेकर आया था । वैधानिक कार्यवाही के उपरांत अभियुक्तों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

गिरफ्तार अभियुक्त गणों के नाम व पता

1- ओम प्रकाश त्यागी पुत्र डालचंद त्यागी निवासी ग्राम मोरटा थाना मधुबन बापूधाम जनपद गाजियाबाद। 2- अजीत सिंह पुत्र मायचंद धानक निवासी खैरा गांव थाना छावला 43 नई दिल्ली। 3- दीपक पुत्र पन्नालाल जोगी निवासी अमीपुर बांगर थाना ककोड़ जनपद बुलंदशहर। 4- सोनू पुत्र पंकज जोगी निवासी उलधन की मड़ैया थाना खरखौदा जनपद मेरठ।

समस्तीपुर हलचल

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने 29 को होने वाले पंचायत चुनाव को लेकर तीन प्रखंडों का लिया जायजा

समस्तीपुर (जकी अहमद)। जिलाधिकारी शशांक शुभंकर एवं पुलिस अधीक्षक मानव जीत सिंह ढिल्लो की संयुक्त अध्यक्षता में पंचायत आम निर्वाचन 2021 द्वितीय चरण हेतु विधि व्यवस्था के मद्देनजर सभी तीनों प्रखंड (यथा समस्तीपुर, ताजपुर और पूसा) का भ्रमण किया गया। भ्रमण के क्रम में अनुमंडल पदाधिकारी सदर रविन्द्र कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर मो0 शहबान हबीब फाखरी जिला आपूर्ति पदाधिकारी, नोडल पदाधिकारी वज्रगृह, विशेष कार्य पदाधिकारी उपस्थित थे। समस्तीपुर प्रखंड के केवस निजामत, रामनाथपुर छतौना, सूरतपुर पंचायतों का क्षेत्र भ्रमण किया गया। प्रशासन के अनुमति के बिना कार्यकर्ता द्वारा कार्यालय व सरकारी संस्थानों पर लगाए गए पोस्टर और बैनर को हटाने का निर्देश दिया गया। बिना अनुमति के चुनाव कार्य में इस्तेमाल होने वाली गाड़ियों को थाने द्वारा जप्त कर लेने का निर्देश दिया गया साथ ही प्राथमिकी दर्ज कराने हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने पूसा प्रखंड के श्रीरामपुर अयोध्या व कुबौलीग्राम का भ्रमण किया गया। पूसा प्रखंड में भ्रमण के क्रम में अंचल अधिकारी पूसा व प्रखंड विकास पदाधिकारी पूसा उपस्थित थे। ताजपुर प्रखंड के निम्नलिखित पंचायतों/क्षेत्रों का भ्रमण किया गया है। मुरादपुर बंगरा, गौसपुर, गौसपुर सरसौना, ददरी धनराज, कोठिया, अबावकरपुर भ्रमण कार्यक्रम के दौरान सभी पदाधिकारियों को आवंटित क्षेत्रों में भ्रमण करने एवं पुलिस को लगातार गस्ती करने का निर्देश दिया गया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आलू बुखारा खाने के 10 कमाल के फायदे, वजन घटाने में भी मददगार

फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर आलूबुखारा,विटामिन और खनिजों का एक बहुत बढ़िया स्त्रोत है। आलूबुखारा जहां हमारे शरीर को कई रोगों से लड़ने में सक्षम बनाता है, वहीं कई पुराने रोगों को भी जड़ से खत्म करने के लिए है। यह एक ऐसा फ्रूट है जिसे कई तरीको से खाया जा सकता है, जैसे कि आप आलूबुखारे को ताजा या फिर सुखाकर खा सकते हैं। आलूबुखारे की जैम बहुत स्वादिष्ट बनती है। तो चलिए आज हम आपको आलूबुखारे के हैल्थ और स्किन को होने वाले फायदों को बारे में जानकारी देंगे।

सेहत को होने वाले फायदे

आंखों के लिए फायदेमंद - इसमें मौजूद जेक्सनथिन फाइबर आंखो के रोटी-ना को हैल्दी रखने में बहुत फायदेमंद है। इसी के साथ आलूबुखारा आंखों को सूरज की यूवी किरणों से होने वाले नुकसान से भी बचाता है।

कैंसर से बचाए -आलूबुखारे में मौजूद एंटीऑक्सीडेंटस कैंसर की बीमारी से बचे रहने में भी मदद करते हैं। इनमें मौजूद बीटा कैरोटिन शरीर को कैंसर जैसे रोगों से बचा कर रखते हैं। जिन लोगों को यह बीमारी है वे लोग भी अपने डॉक्टर से सलाह लेकर इनका सेवन कर सकतें हैं।

पाचनतंत्र के लिए - आलूबुखारे को नियमित सेवन करने से आपका पाचन तंत्र हैल्दी बनेगा। अगर आप कब्ज की प्रॉब्लम का सामना कर रहें हैं तो इसका सेवन आपके लिए बहुत जरुरी है। आलुबुखारे में मौजूद आइसटिन और सोर्बिटोल आपके पाचन तंत्र को हैल्दी बनाएगा और कब्ज जैसी प्रॉब्लम से छुटकारा दिलवाएगा।

कोलेस्ट्रोल को करें बैलेंस - अगर आपका कोलेस्ट्रोल बड़ा हुआ है तो आलूबुखारे का सेवन उसे कम करने में मदद कर सकता है। आलूबुखारे में मौजूद सोलियबल फाईबर आपके शरीर में मौजूद कोलेस्ट्रोल को शरीर में से खत्म कर देता है।

वजन कम करने के लिए - वजन बैलेंस करने के में आलू बुखारे का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। 100 ग्राम आलूबुखारे में केवल 37 प्रतिशत कैलोरी होती है। यदि आप भी अपना वजन कम करने के बारे में सोच रहें हैं तो आलूबुखारे का सेवन आपकी भूख को कंट्रोल करके रखेगा। इसके सेवन से आप एर्नजेटिक फील करेंगे। डाईटिंग के दौरान इसके सेवन से आपको वीकनैस फील नहीं होगी।

रक्तचाप को करे बैलेंस - हाई बीपी के पेशेंट इसकी सेवन करके अपनी ब्लडप्रैशर की प्रॉब्लम से छुटकारा पा सकते हैं। यह एक ऐसा फल है जिसके सेवन से शायद ही किसी को कोई नुकसान होता हो। दिन में आप 100 ग्राम आलूबुखारे का सेवन कर सकते हैं। किडनी के पेशेंट इनका सेवन अपने डॉक्टर से सलाह लेकर ही करें।

हड्डियों के लिए फायदेमंद - साथ ही हमारी हड्डियों को भी स्वस्थ रखता है।आलूबुखारे में मौजूद विटामिन-के हमारी बोनज की डेंसिटी को बढ़ाता है। ऑक्सीडेटिव तनाव के बढ़ने के कारण हमारी बोनज के टूटने का खतरा बना रहता है।आलूबुखारे में फाइटोन्यूट्रिएंट्स मौजूद होते हैं जो हमारी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

मधुमेह में फयदेमंद - आलूबुखारे को शुगर के मरीज भी खा सकते हैं। इनका खट्टा-मीठा स्वाद शरीर में शुगर लेवल को नहीं बढ़ने देता। इससें शुगर को बढ़ाने वाले तत्व न मात्र पाए जाते हैं।

स्किन को होने वाले फायदे - इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंटस हमारी त्वचा को लंबे समय तक जवां बनाए रखने में मदद करते हैं। समय से पहले चेहरे पर आने वाली झुर्रियों से इसके डीप फ्रशिंग तत्व बचा कर रखते हैं। आप चाहें तो इससे फेस पैक भी तैयार कर सकते हैं। आपको 1 से 2 आलूबुखारे लेने हैं, जिसमें आधा चम्मच बेसन और शहद को मिला लेना हैं। अब इस फेस पैक को आपको हफ्ते में 2 बार 20 से 25 मिनट के लिए लगाना है। ऐसा करने से आपको कुछ ही दिनों में अपने फेस पर नैचुरल ग्लो देखने को मिलेगा।

आलूबुखारे के अन्य फायदे - आलूबुखारे की पत्तियों को पीसकर पेट पर लगाने से पेट के कीड़े मरते है। पित्त से जुड़े विकारों से छुटकारा पाने के लिए इनका सेवन बहुत फायदेमंद होता है। जिन लोगों को खाने के बाद एसिडिटी की प्रॉब्लम होती है, उन्हें खाने से 1 घंटा पहले आलूबुखारे के जूस का सेवन आवश्य करना चाहिए। आलूबुखारे के बीजों में से निकलने वाले बादामों के सेवन करने से खट्टे डकारों की प्रॉब्लम से छुटकारा पाया जा सकता है।

मिट्टी में खेलने से बच्चों को मिलते हैं यह Benefits

बड़े बुजुर्ग अक्सर कहा करते थे कि मानव शरीर मिट्टी का बना है,यह एक दिन मिट्टी में ही मिल जाएगा। इसका जरुरत से अधिक ध्यान रखने से कुछ नहीं मिलेगा। आज के मां-बाप लाड-प्यार में अपने बच्चों पर मिट्टी का एक कण भी नहीं लगने देते। पुराने जमाने के बच्चे सारा-सारा दिन मिट्टी में खेलते थे,शायद आज की नौजवान पीड़ी से कहीं अधिक वे स्वस्थ रहते थे। तो चलिए आज जानते हैं कि बच्चों को मिट्टी में खेलने देने से उन्हें क्या-क्या फायदे हो सकते हैं

मिट्टी में पाए जाने वाले पोषक तत्व - मिट्टी में खनिज, जल, वायु, कार्बनिक पदार्थ और अनगिनत जीवों के जटिल मिश्रण पाए जाते हैं । मिट्टी को पृथ्वी की त्वचा कहा जाता है। साथ ही यह शरीर को कई बीमारियों से दूर रखने में मदद करते हैं। पुराने जमाने में कोई चोट लग जाने पर खास मिट्टी को लेप लगाकर ही चोट के ठीक किया जाता था। मुल्तानी मिट्टी का फेसपैक मिट्टी में पाए जाने वाले पोषक तत्वों के कारण ही इतना फायदेमंद है। आइए अब जानते हैं मिट्टी में खेलने से बच्चों का क्या-क्या फायदे मिलते है।

गुड-बैक्टीरिया - मिट्टी में हेल्थ-फ्रैंडली बैक्टीरिया पाया जाता है। जो बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए बहुत जरुरी है। चाहे गरीब का बच्चा हो या फिर अमीर का। मिट्टी में खेलना हर बच्चे को पसंद होता है। वो अलग बात है कि कई मां-बाप बच्चों को मिट्टी में नहीं खेलने देते, उन्हें डर होता है कि कहीं बच्चों में संक्रामण न फैल जाए।

रचनात्मक सोच - बच्चों के दिमाग में सबसे अधिक नए-नए आइडियाज आते हैं। मिट्टी में जब बच्चे खेलते हैं तो वह अपने आइडियाज को रुप देते हैं। रोजाना ऐसा करने से उनकी रचनात्मक सोच में वृद्धि होती है।

रोग-प्रतिरोधक क्षमता - आजकल बच्चों को जुकाम बहुत जल्द हो जाता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि बच्चों का इमुयनिटी सिस्टम बहुत कमजोर हो चुका है। अगर आप अपने बच्चों को मिट्टी में खेलने देते हैं तो इससे आपके बच्चे की रोगों से लड़ने की शक्ति बढ़ेगी, साथ ही उन्हें मानसिक तोर पर भी मजबूत बनाता है।

बीमारियों से बचाव - युनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल में हुए एक शोध के अनुसार जो मां-बाप अपने बच्चों को बचपन में मिट्टी में खेलने से रोकते हैं,उन बच्चों को आगे चलकर ब्लड प्रैशर और अन्य कई खतरनाक बीमारियों के होने का खतरा बना रहता है। इसलिए अपने बच्चों को जितना हो सके खुले वातावरण में हंसने और खेलने के लिए भेजा करें।

इंटैलिजेंट बनते हैं बच्चे - डॉक्टरों का मानना है कि आजकल बच्चे ज्यादातर इनडोर गेम्स खेलना पसंद करते हैं। मां-बाप बच्चों को वीडियो-गेमस खुद लेकर देते हैं, पर वे इस बात को नहीं जानते कि इन सबके इस्तेमाल से उनका दिमाग डल होता जा रहा है। मिट्टी में खेलने से बच्चों का मस्तिष्क तेज होता है। साथ ही बच्चे वातावरण से जुड़े रहते हैं। उनकी फिजिकल एक्टीविटी भी होती रहती है।

तनाव को हटाए - मिट्टी की खुशबू और मिट्टी में उपस्थित सूक्ष्म कीटाणु बच्चों के मूड खुशनुमा बनाए रखता है। इसके अलावा, दूसरे बच्चों के साथ मिट्टी में खेलना उनके तनाव के स्तर को कम करता हैं, इसलिए बच्चों को मिट्टी में खेलने की अनुमति देना उनको रिलैक्स और शांत रखने में मदद करता है।

प्रकृति की देखभाल - जिन बच्चों को खुले वातावरण और मिट्टी में मां-बाप से इजाजत नहीं मिलती, उन बच्चों को प्रकृति के महत्व के बारे में बहुत कम पता होता है। बच्चे जब बाहर खुले वातावरण में खेलने जाएंगे तो प्रकृति रहने से उन्हें प्रकृति के महत्व का पता चलता है।

त्वचा के लिए फायदेमंद - मिट्टी में पाए जाने वाले तत्व बच्चों की त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं।

स्किन एलर्जी से लेकर गठिया दर्द का रामबाण इलाज है कपूर, यूं करें इस्तेमाल

कपूर का इस्तेमाल पूजा-अर्चणा में किया जाता है लेकिन इसकी खूशबू मच्छर-मक्खी, कीट-पतंगों को भगाने में भी काम आती है। इतना ही नहीं, कपूर के कई स्वास्थ्य व सौंदर्य फायदे भी हैं जिनके बारे में शायद ही आप जानते हो। दरअसल, कूपर में एंटीबैक्टिरीयल, एंटीफंगल और एंटी-इन्फ्लैमटरी जैसे अनेक औषधीय गुण होते हैं। इसलिए इसका इस्तेमाल खाज-खुजली, दाग-धब्बे गायब करने के लिए घरेलू तरीके से किया जाता है। चलिए आज हम आपको बताते है कपूर के ऐसे ही ब्यूटी एंड हैल्थ से जुड़े फायदे, जिनके लिए आप कपूर को अलग-अलग तरीके से इस्तेमाल कर सकते हैं।

दर्द का रामबाण इलाज - छोटी-मोटी चोट, कमर, गर्दन व पीठ दर्द और सूजन हो जाने पर कपूर रामबाण इलाज साबित होता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण होते है जो दर्द से तुरंत राहत दिलाने में मदद करते हैं। जब चोट व सूजन वाली जगह पर कपूर लगाया जाता है तो आपको थोड़ी झुनझुनी, गर्मी व ठंडक महसूस जरूर होती है लेकिन तुरंत राहत भी मिलेगी।

मांसपेशियों में ऐंठन - अगर मांसपेशियां में ऐंठन रहती है तो भी कपूर का इस्तेमाल करें। इसमें मौजूद एंटीस्पास्मोडिक और रिलैक्सेंट गुण ऐंठन से राहत दिलाने में मदद करते हैं। कपूर को ऐंठन वाली जगह पर हल्के हाथों से लगाकर मालिस करें। इससे वहां की कठोर स्किन नरम होगी और आराम मिलेगा।

गठिया दर्द से राहत - बदलते लाइफस्टाइल व खानपान के कारण अधिकतर लोग गठिया जैसी बीमारी से ग्रस्त रहते हैं। गठिया मरीजों को अक्सर जोड़ों में दर्द और सूजन की शिकायत रहती हैं। ऐसे में उन्हें कपूर या उससे बने उत्पादों को इस्तेमाल करें। इससे काफी राहत मिलेगी।

दिमाग को रखे शांत - बिजी लाइफस्टाइल व काम के प्रेशर के कारण अक्सर लोगों को तनाव व अनिद्रा का सामना करना पड़ता है। ऐसे में कपूर के तेल की खूशबू दिमाग को शांत रखने और बेहतर नींद लाने में असरदार साबित होती है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शाहिद कपूर ने जताई सामंथा के साथ काम करने की इच्छा

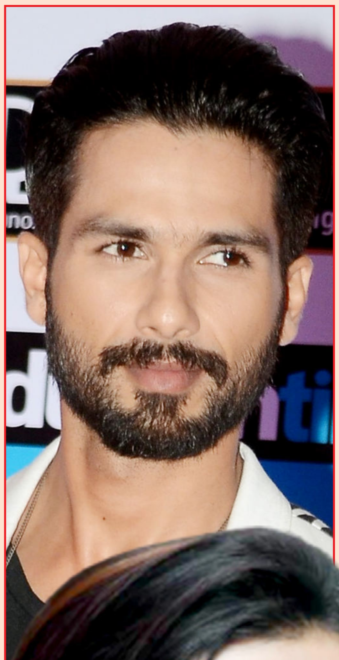

साउथ इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खबरों में बनी हुई है। खबरों की माने तो उनकी शादी टूटने की कगार पर है। खबरे है कि पति नागा चैतन्य के साथ उनकी शादी खतरे में है। सामंथा ने सोशल मीडिया एकाउंट्स से भी अपने नाम के आगे से सरनेम अक्कीनेनी हटा दिया है। हालांकि, ऐसी खबरों की पुष्टि नहीं की गयी है। लेकिन, इन खबरों के बीच सामंथा प्रभु को एक नया फैन मिला है। यह फैन कोई और नहीं बल्कि बॉलीवुड के सुपरहिट एक्टर शाहिद कपूर हैं। आपको बता दे, शाहिद कपूर 'द फैमिली मैन 2' में सामंथा की एक्टिंग के इस कदर कायल हुए है कि अब उनके साथ काम करने का इंतजार कर रहे हैं। दरअसल, शाहिद ने आज अपने फैंस के साथ सोशल मीडिया पर इंटरेक्शन रखा, जिसमें उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ से लेकर कामकाज को लेकर फैंस के सवालों के जवाब दिये। एक फैन ने 'द फैमिली मैन 2' में सामंथा की एक्टिंग पर कमेंट करने के लिए शाहिद से कहा, जिसके जवाब में एक्टर ने कहा– शो में उन्हें बहुत पसंद किया। किसी दिन उनके साथ काम करना चाहूंगा। सामंथा ने इस किरदार में जबरदस्त एक्टिंग और एक्शन किया था। इस करैक्टर ने खूब सुर्खियां बटौरी थी। पहले उन्हें विवादों का सामना करना पड़ा लेकिन बाद में सभी ने एक्ट्रेस की खूब तारीफे की थी। वही अब देखना होगा कि क्या ये दोनों कभी साथ में नजर आ पाएंगे या नहीं?

विकास वर्मा बने अंतरराष्ट्रीय अभिनेता

मुंबई। अभिनेता विकास वर्मा जो अनुपम खेर ऐक्टिंग अकैडमी से कोर्स करने के बाद बॉलीवुड और टेलिविजन इंडस्ट्री में पिछले 6 साल से काम कर रहे हैं और उन्होंने 3 साल थीयटर में भी अपना लोहा मनवा चुके हैं। बॉलीवुड मूवी 'Chai... an Undefined Bond' में नजर आ चुके हैं। इनकी यह फिल्म 5 अगस्त को 'PAUS 'इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल' लंदन में भी नामांकित हुई हैं। साथ ही साथ बहुत जल्द यह इंडिया में भी रिलीज होने वाली हैं। टेलिविजन सीरियल – मेरे साईं में उद्धव का महत्वपूर्ण किरदार निभाते हुये देख सकते हैं, बहुत सारे क्राइम पट्रोल के सीरियल में आप इन्हें देख चुके होंगे, सावधान इंडिया, कुमकुम भाग्य, ये रिश्ता क्या कहलाता हैं, काटेलाल एंड संस जैसे धारावाहिक में अपनी अदाकारी दिखा चुके हैं। साथ ही साथ बड़े बड़े विज्ञापन जैसे की – Brand Factory, Myntra, ICC Cricket Trophy, Net Geo। मेरी आने वाली फिल्म एक प्रमुख के रूप में जिसे यूएसए, यूके, अर्जेंटीना आदि जैसे कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में नामंकित किया गया है। विकास का कहना है कि कुछ भी असंभव नहीं है, बस हमें इसकी जरूरत है–खुद पर विश्वास करें, अपने लक्ष्यों पर ध्यान दें और सब कुछ संभव है।